कारक

परिभाषा (Definition)

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका सीधा संबंध क्रिया के साथ ज्ञात हो, कारक कहलाता है।

जैसे - गीता ने दूध पीया।

SSR.com

कारक विभक्ति–

संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों के बाद 'ने, को, से, के लिए', आदि जो चिह्न कारक विभक्ति कहलाते हैं।

हिन्दी में आठ कारक होते हैं।

उन्हें विभक्ति चिह्नों सहित देखा जा सकता है।

कारक के भेद

कारक	परसर्ग या विभक्ति चिह्न	उदाहरण
कर्ता	ने	रवि ने मनीष को बचाया।
कर्म	को	हमने भूखे को खाना खिलाया।
करण	से, के द्वारा	वीना हवाई जहाज से दिल्ली आएगी।
सम्प्रदान	के लिए	पारुल सबके लिए खाना लाई।
अपादान	से (अलग होना)	वह छत से गिरा।
सम्बन्ध	का, के, की, रा, रे, री,	रीना का भाई बडा है।
अधिकरण	में, पर	अधिक उँचाई पर मत जाओ।
सम्बोधन	हे! अरे! हाय !	अरे! सुनो इधर आओ।

राम ने पत्र लिखा।

इस वाक्य में

राम - संज्ञा है

ने - कारक है

पत्र लिखा - क्रिया है

अध्यापक जी ने राम को मारा ।

इस वाक्य में

अध्यापक जी , राम-संज्ञा है

ने , को- कारक है

मारा - क्रिया है

मैं सीता के साथ घर जा रही हूं।
इस वाक्य में
मैं सीता , घर -संज्ञा है
के साथ - कारक है
जा रही हूं - क्रिया है

हम मुम्बई से आए है।

ईस वाक्य में

हम मुम्बई -संज्ञा है

से - कारक है

आए है - क्रिया है

पेड़ से पत्ते गिरे
इस वाक्य में
पेड़ - संज्ञा है
से - कारक है
पत्ते गिरे - क्रिया है

वह बच्ची अपने मां के लिए रो रहा है

ईस वाक्य में
वह बच्ची अपने मां-संज्ञा है
के लिए - कारक है
रो रहा है। - क्रिया है